

धोरण : ५

हिन्दी

इकाई : ८

भरत मिलाप

(एकांकी)



(वन का एक भाग। कुटिया के बाहर राम और सीता बैठे हुए हैं।  
पास ही धनुष-बाण लिए लक्ष्मण खड़े हैं।)



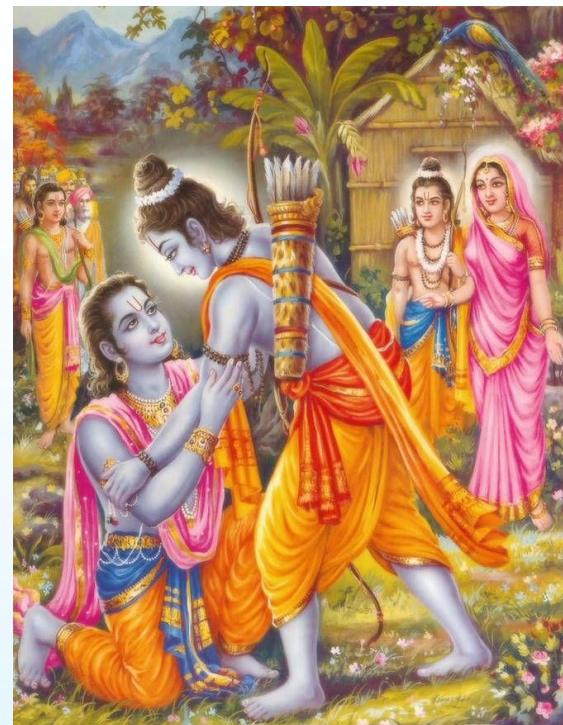
# दृश्य 1

राम : भाई लक्ष्मण, जरा देखो तो यह आवाज़ कहाँ से आ रही है?

लक्ष्मण : (इधर-उधर देखकर) प्रभु, सामने से कुछ लोग आते दिखाई दे रहे हैं।

राम : कौन लोग हैं? जरा ध्यान से देखो।

लक्ष्मण : (ध्यान से देखकर) अरे, यह तो भरत है। साथ ही बहुत से लोग हैं। हमें सावधान हो जाना चाहिए। शायद वे लोग लड़ने के लिए आ रहे हैं।



**रामः** (हँसते हुए) भाई लक्ष्मण, तुम तो बिना बात शक करने लगते हो। इतने वर्ष साथ रहकर भी भरत को नहीं पहचाना?

**लक्ष्मणः** (उत्तेजित होकर) पहचाना क्यों नहीं, उसी माँ का तो बेटा है, जिसने वनवास दिलाया।

**सीताः** इसमें बेचारे भरत का क्या दोष?

**लक्ष्मण :** लीजिए, सब लोग इधर ही आ रहे हैं!



## दृश्य 2

(भरत दौड़ते हुए कुटिया के निकट आते हैं। उनकी आँखों से आँसू बह रहे हैं। वे राम के चरणों में पड़ते हैं। राम भरत को उठाकर गले लगा लेते हैं।)



भरत : (रोते हुए) मुझे क्षमा कीजिए प्रभु ! आपको वनवास दिलाने में मेरा कोई हाथ नहीं। आप मुझसे बड़े हैं। आप ही को राजा बनना चाहिए। मैं आपको लेने आया हूँ। आप सब अयोध्या चलिए। इन नगरवासियों की भी यही इच्छा है। निराश न कीजिए, प्रभु !

राम : भाई भरत, मैं तुम्हारा प्रेम देखकर प्रसन्न हूँ। किन्तु मैं मातापिता की आज्ञा का पालन करने हेतु वन में आया हूँ। वनवास पूरा करके ही लौटूँगा।



एक नागरिकः नहीं, प्रभु, आपको हमारे साथ चलना ही होगा। आपके बिना प्रजा दुःखी है। प्रजा को सुखी रखना राजा का कर्तव्य है।

राम : नगरजनो, इस समय माता-पिता की आज्ञा का पालन करना मेरा सबसे बड़ा कर्तव्य है। भरत मेरा भाई है। जब तक मैं वनवास पूरा करके न लौ, तब तक भाई भरत आप सबके सुख-दुःख का ध्यान रखेगा। आप उसे राजा मानें, यह मेरा आदेश है।



भरतः (कुछ सोचकर) अच्छा, प्रभु, जैसी आपकी आज्ञा, पर मेरी एक  
विनती है, उसे स्वीकार करें।

रामः बोलो, क्या चाहते हो?

भरतः मुझे आप अपने पाँव की खड़ाऊँ दे दें।  
रामः खड़ाऊँ ! खड़ाऊँ का क्या करोगे?



भरतः इन्हें सिंहासन पर रखकर, आपके लौटने तक सेवक  
की तरह राज-काज करूँगा।

(भरत का प्रेम देखकर राम, सीता और लक्ष्मण गद्गद हो  
जाते हैं। रामचंद्र आगे बढ़कर भरत को गले लगाते हैं।  
खड़ाऊँ लेकर भरत तथा नगरजन राम और भरत की जय  
बोलते हुए विदा होते हैं।)



# शब्दार्थ

कुटिया - झोपड़ी

शायद - कदाचित्

शक - शंका

निकट - नजदीक

चरण - पैर

दोष - अपराध

कर्तव्य - फर्ज

आदेश - हुक्म, आज्ञा

खड़ाऊँ - लकड़ी की बनी पादुका



# मुहावरे

उत्तेजित होना - गुस्सा होना

गले लगाना - प्यार से मिलना

गदगद होना - पुलकित होना, आनंदित होना



## अभ्यास

### 1. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) भरत को आते हुए देखकर लक्ष्मण को क्या शंका हुई ?

✓ भरत को आते हुए देखकर लक्ष्मण को शंका हुई कि, कही वे लोग लड़ने आ रहे हैं।

(2) राम को देखकर भरत ने क्या किया ?

✓ राम को देखकर भरत उनके चरणों में गिर पड़े और उनसे क्षमा माँगी।



(3) राम अपना वनवास क्यों पूरा करना चाहते हैं ?

✓ राम अपने माता-पिता की आज्ञाका पालन करने के लिए अपना वनवास पूरा करना चाहते हैं ।

(4) राम ने नगरजनों से क्या कहा ?

✓ राम ने नगरजनों से कहा कि, “माता-पिता कि आज्ञा का पालन करना मेरा सबसे बड़ा कर्तव्य है । जब तक मेरे वापस न लौटू तब तक भरत को ही आप राजा माने ।”



(5) भरत की जगह आप होते तो क्या करते ?

✓ भरत की जगह मैं होता तो

(१) राम को लेकर ही अयोध्या लौटता ।

(२) किसी भी तरह से राम को अयोध्या लौटने के लिए सहमत करता ।

(३) मैं राम के साथ वन में रहकर उनकी सेवा करता ।



## 2. कोई रेपर यहाँ चिपकाइए और दिए गए रेपर को देखकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) यह किसका रेपर है ?

✓ यह रियल नमकीन फ़रारी चेवड़े का रेपर है ।

(2) इस रेपर पर क्या कीमत छपी हुई है ?

✓ इस रेपर पर १० रुपया कीमत छपी है ।

(3) इसका पैकिंग कब हुआ है ?

✓ इसका पैकिंग दिनांक १/७/२०१७ का हुआ है ।



(4) इसका उपयोग कब तक कर लेना चाहिए ?

✓ इसका उपयोग पैकिंग दिनाक से चार मई  
के भीतर कर लेना चाहिए ।

(5) इसके अलावा रेपर मे और कौन-सी  
उपयोगी बाते छपी है ?

✓ इसके अलावा रेपर मे उसका वजन बेचनंबर  
बारकोड जैसी उपयोगी बाते छपी है ।



3. नीचे दिए गए कोष्ठक में से सही संकेत चुनकर लिखिए :

(रेलवे क्रॉसिंग अरक्षित, हाँस्पिटल, पैदलयात्री क्रॉसिंग, साइकिल क्रॉसिंग)



पैदल~~सायांप~~प्रवृत्ति  
क्रॉसिंग



रेलसेइकिलंग~~क्रॉसिंग~~क्रॉसिंग



#### 4. ऊँची आवाज मे पढ़िए और लिखिए :

- |              |             |
|--------------|-------------|
| (1) लक्ष्मण  | (6) प्रजा   |
| (2) उपेक्षित | (7) कर्तव्य |
| (3) क्षमा    | (8) ध्यान   |
| (4) अयोध्या  | (9) प्रभु   |
| (5) इच्छा    | (10) इन्हे  |



## स्वाध्याय

### 1. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) राम, सीता और लक्ष्मण कहाँ गए ?

✓ राम, सीता और लक्ष्मण वनवास गए ।

(2 ) राम ने नगरजनों को क्या समझाया ?

✓ राम ने नगरजनों को समझाया कि इस समय माता-पिता की आज्ञा करना सबसे बड़ा कर्तव्य है जब तक मैं वनवास पूरा करके न लौटू तब तक भरत आप सबके सुख-दुख का ध्यान रखेगा ।



(3) राम ने भरत को क्या दिया ?

✓ राम ने भरत को अपने खड़ाऊँ दिए ।

(4) भरत ने खड़ाऊँ लेकर क्या करने का सोचा ?

✓ भरत ने खड़ाऊँ को सिंहासन पर रखकर राम के लौटने तक सेवक की तरह राज - काज करने का सोचा ।

(5) आप अपने भाई के साथ कैसा बरताव करते हैं ?

✓ हम अपने भाई के साथ बहुत सारा बरताव करते हैं ।



2. नीचे दिए गए वाक्यों में मैं या 'मैं' लगाकर वाक्य पूरा कीजिए:

- (1) रोटी को देख बिल्ली के मुँह मैं पानी आ गया।
- (2) मैं तुझे रोटी न ले जाने दूंगी।
- (3) मैं कहती हूँ कि यह रोटी मेरी है।
- (4) दोनों बिल्लयों मैं झगड़ा हो गया।
- (5) रोटी लेने पहले मैं झपटी थी।



### 3. जल, थल और पेड़ों पर रहनेवाले पशु-पक्षियों के नाम अलग-अलग

लिखिए :

जल में रहनेवाले

**मगर**

**मछली**

**बतख**

**कछुआ**

**बगुला**

थल पर रहनेवाले

**सिंह**

**हाथी**

**भालू**

**चूहा**

**ऊँट**

पेड़ों पर रहनेवाले

**बंदर**

**गिलहरी**

**गिद्ध**

**उल्लू**

**गौरेया**



**THANKS  
FOR WATCHING**

